papergrid
Date: / /

[I] सामान्य चिकित्सा

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

(A) स्वेद -

स्वेद is directly co-relate with the process of inducing sweat in the body.

- Through which Symptoms like - स्तम्भन
  - गौरव
  - शीतता

  get relieved.

- **Types** -

[1] According to चरकमतानुसार -

स्वेद कर्म
- अग्नि स्वेद
- निराग्नि स्वेद

[2] A/c to आचार्य सुश्रुत -

स्वेद कर्म
- ताप स्वेद —— (1)
- उपनाह स्वेद —— (2)
- उष्मा स्वेद —— (3)
- द्रव स्वेद —— (4)

Scanned with OKEN Scanner

papergrid
Date: / /

[1] A/c to चरक -

[A] अग्निस्वेद -

- It is directly co-relates with the 'Thermal Sudation'.

- classified into 13 types:
  - संकर स्वेद (mixed fomentation) ——— ①
  - प्रस्तर स्वेद (hot bed —"——) ——— ②
  - नाडी स्वेद (steam kettle sudation) ——— ③
  - परिषेक (affusion) ——— ④
  - अवगाह (bath sudation) ——— ⑤
  - जेन्ताक (sudatorium sudation) ——— ⑥
  - अश्मघ्न (cabin —"——) ——— ⑦
  - कर्षू (Trench —"——) ——— ⑧
  - कुटी (cabin —"——) ——— ⑨
  - भू (ground bed —"——) ——— ⑩
  - कुम्भी (pitcher bed sudation) ——— ⑪
  - कूप (pit sudation) ——— ⑫
  - होलाक (under bed —"—) ——— ⑬

[B] निराग्नि स्वेद (Non-Thermal Sudation)

- व्यायाम (exercise) ——— ①
- उष्ण सदन (warm room) ——— ②
- गुरु प्रावरण (heavy clothing) ——— ③
- क्षुधा (Hunger) ——— ④
- बहुपान (excessive drink) ——— ⑤
- भय (fear) ——— ⑥
- क्रोध (anger) ——— ⑦
- उपनाह (plasters) ——— ⑧

Scanned with OKEN Scanner

- आतप (war) ——— ⑨
- आतप (Sun bath) ——— ⑩

[2] A/c to आचार्य सुश्रुत –

		Disease
- ताप स्वेद	(direct heat)	- Kapha
- उपनाह स्वेद	(poultice)	- Vata
- उष्मा स्वेद	(with steam)	- Kapha.
- द्रव स्वेद	(warm liquid)	- Vata - pitta Kapha - pitta

(i) ताप स्वेद –

- Induce sweating by heating the –
  - palm of the Hand
  - flat pieces of bronze
  - sand
  - cloth
  - pieces of earthen wear etc.
- Over fire and applying it warmly on the affected part of the body directly.

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES --- HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

papergrid Date / /

Scanned with OKEN Scanner

papergrid
Date: / /

(b) उपनाहस्वेद –

- Application of warm paste of different types of drugs on the affected part of the body.
- Bandaging with animal skins or leaves.

ऊष्मा means Steam.

(c) ऊष्मा स्वेद – conducting स्वेद by means of उत्करिक

- रोटी prepared c̄
  - यव
  - माषा
  - एरण्ड बीज
  - अतसी
  - पांशु
  - पत्रभग्न
  - धान्य
  - सिक्ता etc.

- Indicated in कफ प्रधान विकारs.

(D) द्रव स्वेद – Conducting स्वेद with the Help of सुखोष्ण द्रव Substance

Types
- प्रसेक
- अवगाह

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

papergrid

Date: / /

Procedure –

- Conducted to the person who have undergone आभ्यन्तर and बाह्य स्नेह.
- after proper digestion of food taken in previous night.
- In a place where there is devoid of breeze.

स्वेद should be conducted –

- Before नस्य
  - वस्ति
  - वमन
  - विरेचन

- after removal of मूढगर्भ
- after delivary (either normal/abnormal)
- after स्नेहन कर्म.
- Before and after the surgical procedure conducted in –
  - भगन्दर
  - अर्श
  - अश्मरी.

precaution –

- Gentle fomentation should be conducted at the vital points i.e.
  - Heart
  - Eyes
  - Testes.

Scanned with OKEN Scanner

papergrid
Date: / /

- During fomentation eye should be covered c̄ petals of Lotus.

- To minimize the complication patient is advised to hold either -
  - कर्पूर, चूर्ण
  - अम्ल वेतस
  - अम्लफल / द्राक्षा
  - c̄ sugar

  in his mouth.

- Complication are Rx by giving diet & drug of -
  - मधुर रस
  - स्निग्ध
  - शीत रस

Indication -
- कास
- पीनस
- हिक्का
- श्वास
- शिरो कम्प
- कर्ण कम्प
- स्वर भेद
- अजीर्ण

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Contraindication -
- मद्य सेवन नित्य
- गर्भिणी
- अतिसार
- प्रमेह
- विष
- कामला

Scanned with OKEN Scanner

- तृष्णा
- कुष्ठ
- क्रोध : etc

• सम्यक ल० वृ स्वेद — शीत उपरम
— शूल
— स्तम्भ निग्रह
— गौरव
— संजाते मार्दव

• अतिस्विन्न ल० — पित्त प्रकोप
— मूर्च्छा
— शरीर सदनं
— तृषा
— दाह
— स्वर
— अङ्ग दौर्बल्यम्

• स्वेद अयोग ल० — वातस्य अप्रगुणत्वं
— गुरुत्व
— स्तब्धा गात्रता
— मन्द स्विन्ने न
— ग्लानि
— तृष्णादीनां
— च
— विभ्रमः

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

• Indication for स्वेदन कर्म in ENT Disease

1) मुख रोग – वातजौष्ठ रोग } नाड़ी स्वेद.
– कफजौष्ठ –

2) कर्ण रोग – कर्णस्त्राव } स्वेद.
– पूतिकर्ण
– कृमिकर्ण

3) नासा रोग – स्वेद.

4) शिरो रोग – उपनाह
– पिण्ड स्वेद.

• निराग्नि स्वेद –

1) व्यायाम – muscular exercise produces sweating in the body.

2) उष्ण सदन – room cout ventilation particularly in the Summer Season may produces sweating.

3) गुरु प्रवरण – person lies by covering the body with thick cloths or woolen sheet that it may lead to sweating.

4) क्षुधा – excessive hunger produces Sweat.

Scanned with OKEN Scanner

5) बहुपान – excessive consumption of alcohol produces sweating.

6) भय – fear.

7) क्रोध – anger

8) उपनाह – प्रलेप produces insensible sweating by preventing the loss of body Heat.

(poultice – प्रलेप → soft heated mass of meal or clay i.e. spread on the cloth → apply to skin → Rx Inflammation or ↑ circulation).

9) अव्याह – wrestling or fighting lead to sweating.

10) आतप – Direct exposure to sun rays lead to sweating / perspiration.

- साग्नि स्वेद –

1) संकर स्वेद – type of पिण्ड स्वेद

- fomentation (स्वेद) using पिण्ड prescribed द्रव्य with or without being wrapped cloth.

Scanned with OKEN Scanner

द्रव्य used. – तिल
– माष
– कुलत्थ
– आम्ल
– घृत
– तैल
– ओदन etc.

Types < रूक्ष संकर स्वेद
स्निग्ध – । –

1) रूक्ष संकर स्वेद –

द्रव्य used – Sand
– Brick
– stone.

– Indicated in कफ & आम विकार affecting joint & muscles.

• द्रव्य used for कफ विकार –

– शकृत of गो
खर
उष्ट्र
वराह
अश्व
सिक्त
पांशु etc.

2) स्निग्ध संकर स्वेद –

- Thick gruel prepared from the द्रव्य like –
  - सर्षपा
  - घृत
  - तैल
  - Black gram
  - शाली
  - क्षीर.

- useful in केवल वात विकार.

- द्रव्य for वात
  - तिल
  - माषा
  - कुलत्थ.
  - अम्ल
  - घृत.
  - तैल
  - ओदन
  - पायस.

(II) प्रस्तर स्वेद –

~~Refer from Panch Karma~~

Indication for स्वेद –

- श्वास
- कास
- प्रतिश्याय
- हिक्का
- आध्मान
- विबन्ध
- स्वरभेद
- वातव्याधि
- कफज व्याधि
- आम
- स्तम्भ
- गौरव
- अङ्गमर्द
- कटी ग्रह
- पार्श्व ग्रह
- पृष्ठ ग्रह
- कुक्षि ग्रह
- हनु ग्रह
- मुष्क वृद्धि
- खल्ली
- धनुर्वात
- वातकण्टक
- मूत्रकृच्छ्र
- अर्बुद
- ग्रन्थि
- शुक्र दोष
- ऊरुस्तम्भ .

• Contra indication for स्वेद –

- अति स्थूल
- रूक्ष
- दुर्बल
- मूर्च्छिता
- स्तम्भनीय
- क्षतक्षीण
- क्षाम
- मद्य विकारिण
- तिमिर
- उदर
- विसर्प
- कुष्ठ
- क्षय
- वातरक्त
- गुद भ्रंश
- गुद पाक
- कामला
- पाण्डू
- प्रमेह
- पित्तज व्याधि
- क्षुधा
- तृष्णा
- ग्लानि
- भय
- शोक
- क्रोध
- पीत दुग्ध
- दधि
- स्नेह

- मधु
- गर्भिणी
- पुष्पिता
- सूता
- मृदु स्वेद

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

पूर्वकर्म - निवाते अन्त बहि:
- स्निग्धा
- जीर्णान्न
- स्वेद perform depending on
- व्याधि
- व्याधि देश
- physical location
- ऋतु

• सम्यक स्विन्न ल०

- शीत
- शूल क्षये
- स्विन्ना
- जातेऽगानां
- च मार्दवे ।
- स्यात्संनमृदित:
- स्नातस्तत:
- स्नेह विधिं
- भजेत ।

• अतिस्वेद लक्षणा - पित्तास्त्रकोप
- तृष्णा
- मूर्च्छा
- स्वर भेद
- अंग सदन
- भ्रम
- संधि पीडना

- ज्वर
- श्याव
- रक्त मंडल दर्शन
- छर्दि
- स्तम्भजगौरवभ्रम
- विष
- क्षार
- अग्नि
- अतिसार
- मोह

Rx - तिक्त
- कषाय
- मधुर used.

- अनाग्नि स्वेद - (indirect fomentation)

स्वेदो हित स्त्वनाग्नेयो वात मेद: कफावृते।

- How to perform अनाग्नि स्वेद -

- निवातं
- गृहमायासो
- गुरु प्रावरण
- भयम्
- उपनाह (tight bandage)

- अहात
- क्रोध
- भूरि पान
- क्षुधा
- अतप 8 ।

- Functional result of स्वेद —

- स्नेह क्लिन्ना :
- कोष्ठगा
- धातुगा
- वा स्त्रोतो लीना :
- ये च शाखास्थि संस्था :
- दोषा :
- स्वेद स्त्वैः
- द्रवीकृत्य
- कोष्ठं
- नीता :
- सम्यक
- शुद्धिभि
- निर्हियते ॥

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

- Dose of स्वेद

अल्प वक्षणयो : स्वल्पं दृङमुष्क हृदये न वा ।

Scanned with OKEN Scanner

कवल and गण्डूष

Defⁿ –

1) कवल –

– The retained fluid which can be easily moved from side to side in oral cavity or mouth is called कवल.

– Co-relatio with Gargle.

श्लोक –

सुखं संचार्यते या तु मात्रा सा कवलः स्मृतः।

2) गण्डूष –

– Movement of retained fluid is not possible due to tight filling of mouth is called गण्डूष.

श्लोक –

असंचार्या तु या मात्रा गण्डूषः स प्रकीर्तितः।

(सु॰ चि॰ 40/62)

Scanned with OKEN Scanner

Types –

कवल types (सुश्रुत) — स्नेही, प्रसादी, शोधन, रोपण।

• गण्डूष types (अ.ह.) — स्निग्ध
— शमन
— शोधन
— रोपण।

• द्रव्य used for कवल and गण्डूष

	कवल / गण्डूष	दोष	गुण and रस
1)	स्नैहिक	वात	गुण - स्निग्ध - उष्ण रस - मधुर, अम्ल, लवण
2)	प्रसादन / शमन	पित्त	गुण - शीत रस - मधुर, तिक्त, कषाय
3)	शोधन	कफ	कटु, अम्ल, लवण, रूक्ष, उष्ण
4)	रोपण (व्रण रोपण)	–	कषाय, तिक्त, मधुर, कटु, उष्ण।

• Benefits of retention of गण्डूष —

- दन्तो दृढ (joints of Jaw)
- स्वर बल
- वदनोपचय :
- पर :
- रस ज्ञाने मन्ने
- रुचि रुत्तमा
- कण्ठ शोष
- स्यान्नोष्ठयो
- स्फुटनाश्रयम्
- न शूलयन्ते
- न अम्लेन हृष्यन्ते
- न दन्ता क्षयु
- दन्त दार्ढ्यकर

• Indication for कवल and गण्डूष —

- शिरो रोग
- कर्ण रोग
- मुख रोग
- नेत्र रोग
- कण्ठ रोग
- लाल स्राव
- मान्य स्तम्भ
- मुखशोष
- हृल्लास
- तन्द्रा
- अरुचि
- पीनस।

procedure – पूर्वकर्म
– प्रधान कर्म
– पश्चात कर्म

1) पूर्वकर्म – स्थानिक स्नेह (above neck region)
– नाडी स्वेद
– pt. should sit in warm room
room. – निवाते सातपे.
– pt. face should be slightly elevated
– pt. should sit in straight sitting position
– concentrate on procedure.

2) प्रधान कर्म –

Dose of गण्डूष – fluid | paste –

3 kind – वर मात्रा
– मध्य मात्रा
– अवर मात्रा।

1) वर मात्रा – 1/2nd oral cavity get filled
– also called उत्तम मात्रा।

2) मध्य मात्रा – 1/3rd oral cavity get filled.
– medium amount to be used

3) अवर मात्रा – minimum amount to be used.

– 1/4th of the oral cavity gets filled.

- Amount for liquid & paste

– 1 कोल (6gm)

- Duration for कवल and गण्डूषा –

– कवल and गण्डूषा should be retained till mouth gets filled with कफ.

– Nasal & lachrymal secretions are induced.

- सम्यक / शुद्ध लक्षणा of कवल –

– व्याधि ह्रास चय.
– तुष्टि वैशद्य
– वक्त्र लाघव
– इन्द्रिया प्रसाद.

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

- हीन लक्षणा — हीन
  - जाड्य
  - कफोत्क्लेश
  - अवर रस ज्ञान
  - गेव च ।

- अतियोग ल० — अतियोगान्
  - मुख पाक
  - शोष
  - तृष्णा
  - अरुचि
  - क्लमा ।

- Remedial measures for oral burning
  (तिलादि कवल दाह नाशन)

Oral burning cause by — very hot liquid
- Strong alkalies.
- Irritating substance like tabacco etc.

Rx –
- तिला
- नीलोत्पलं
- सर्पि
- शर्करा
- क्षीर मेव च ।
- स क्षौद्रो
- दग्ध वक्त्रस्य
- गण्डूषो
- दाहनाशन

3) पश्चात् कर्म — अभ्यङ्ग
— स्वेदन

• कर्मुकता (physiological action) —

Systematically performed कवल / गण्डूष
↓
elimination of vitiated कफ from Surround-
-ing Structure
↓
which get mixed c̄ द्रव / कल्क of कवल
or गण्डूष.
↓
thrown out along with it at the end
of procedure
↓
thus this procedure is Helpful.

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

• Specific कवल / गण्डूष द्रव्य for Specific disease and status

1) Depending upon दोष
- स्नेह
- क्षीर
- मधु
- मांस रस
- गोमूत्र
- अम्ल द्रव (काञ्जी)
- कषाय
- सुखोष्ण जल.

2) for स्वास्थ्य पुरुष - गण्डूष c̄ - तैल (तिल)
- मांस रस.

3) In मुखशोष - काञ्जी + शीत and अलवण

4) for लाघवता - सुखोष्ण जल.

5) दौर्गन्ध्य नाशन - धान्याम्ल

6) for दन्त हर्ष, दन्त चल, मुखरोग - तिलकल्क
+ शीतजल
or
सुखोष्ण जल.

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

प्रतिसारण

Types –

A/c. to सुश्रुत – कल्क, रसक्रिया, क्षौद्र, चूर्ण

A/c. to अ.ह. – कल्क, रसक्रिया, चूर्ण

- procedure
  - अङ्गुल्य
  - अग्र प्रणीतं
  - तु
  - यथास्वं
  - मुखरोगिणाम्

- अयोग & अतियोग प्रतिसारण
  - कफोत्क्लेश
  - जाड्य
  - तृष्णा
  - शोष
  - अवर रसज्ञान
  - अरुचि
  - वलमा

(similar to कवल)

सम्यक् ल. - Similar to कवल .

धक्षा - दोषहनम् . शोधम
- अनभिष्यन्दि -।—

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

Scanned with OKEN Scanner

papergrid

Date: / /

4) धूमा —

- It is a process where medicate fumes are inhaled through the nostril and exhale through mouth.

- also called as धूम नस्या.

Refn — चरक संहिता
— शालाक्य तन्त्र.
— पंचकर्म.

Types — प्रयोगिक
— स्नेहिक
— वैरेचिक (विरेचिक)

1) प्रयोगिक धूम —

- That which is used daily is called प्रयोगिक

काल — स्नातव — Soon after bath.
- भुक्तवा — after meals
- समुल्लिखय — ,, — Vomitting
- क्षुत्वा — ,, — Sneezing
- दन्तान्निघृष्य — Brushing teeth
- नावन — after putting nasal drop
- अञ्जन — after applying collyrium.
- निद्रान्ते — after end of sleep.

Scanned with OKEN Scanner

2) स्नैहिक धूम –

- धूम which causes स्नेहन is स्नैहिक धूम.

द्रव्य used – मधुर गण द्रव्य.
- वसा
- घृत
- मधुयष्टी

3) विरेचिनीक धूम –

- Used for elimination of दोष.

द्रव्य used – अपमार्ग (श्वेता)
- ज्योतिष्मती
- हरिताल
- मनःशिला
- गन्धाश्वा
- गुरुपत्र etc.

Length of (नेत्र) नालिका – प्रायोगिक – 36 अंगुल
- स्नैहिक – 32 –"–
- विरेचनिक – 24 –"–

Times of inhalation in a day

- प्रायोगिक – 2 times
- स्नैहिक – 1 time
- विरेचनीक – 3-4 times.

Scanned with OKEN Scanner

papergrid
Date: / /

• Method of धूम नेत्र –

person should sit comfortably
↓
Keep his body & eyes straight & mind steady
↓
inhale धूम through one nostril keep the other nostrile closed.
↓
Repeated 3 times (from each nostrile)
↓
exhale the धूम from the mouth
↓
called धूम.

धूम यन्त्र < धूम नेत्र / धूम वर्ति,

1) धूम नेत्र =

– prepared with metal like – स्वर्ण
– रजत
– ताम्र, etc.

– circumference of thumb at base,
– little finger at the tip.
– tip size – pea.

Scanned with OKEN Scanner

धूम नेत्र / नालिका)

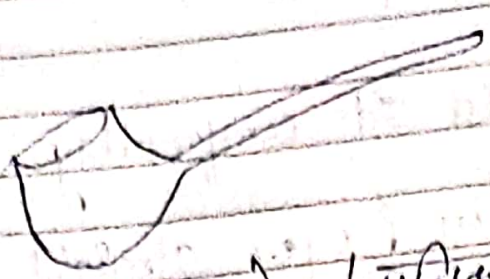

• preparation of धूम वर्ति —

- steam of दर्भा around 12 inches should take
↓
soaked in water for overnight.
↓
कल्क of एलादि गण द्रव्य / acc. to condition.
↓
applied on the stem for about 9 inches
↓
dry it. after drying again apply it
↓
Repeat this process 5 times.
↓
After complete drying remove herbal stick
↓
thickness of वर्ति - thumb at middle.
and thin at both end.
↓
length of वर्ति - 1/6th of धूम नेत्र.
↓
धूम वर्ति prepared.

papergrid
Date: / /

Indication/Pan – कफज शिरोरोग
– कण्ठ रोग
– नासा रोग
– नेत्र रोग
– शीर्ष रोग ।

सम्यक ल० – लघुता of उर
– ,, कण्ठ
– ,, शिर
– कफ तनुता ।

असम्यक ल० – अविशुद्धि स्वर ।
– कण्ठ में कफ
– स्तिमितो मस्तक ।

अतियोग ल० – शुष्कता of कण्ठ, तालु, मूर्धा ।
– तृष्णा
– मूर्छा

Scanned with OKEN Scanner

papergrid

Date: / /

(8) कर्ण पूरण :

- pt. is advised to lie on one side.
- ear is filled with various medicated oil
- simultaneously massage at the base of ear.

Period of retention of कर्ण पूरण –

- One should retain oil till the pain is lessened.
- स्वस्थ पुरुष – 100 मात्रा (1½ minutes)

कर्ण पूरण तैल – Based on व्याधि & दोष प्रधानता.

- हिंग्वादि क्षार तैल
- मधु सुक्त तैल
- कुष्ठादि तैल
- दूर्वादि तैल
- मौलिक तैल
- अपमार्ग क्षार तैल
- लसुनादि तैल
- क्षार तैल etc.

KRIYA KALPA NOTES SD BAMS NOTES ----HELPFUL IN AIAPGET EXAMINATION

SD MBBS BAMS

Scanned with OKEN Scanner